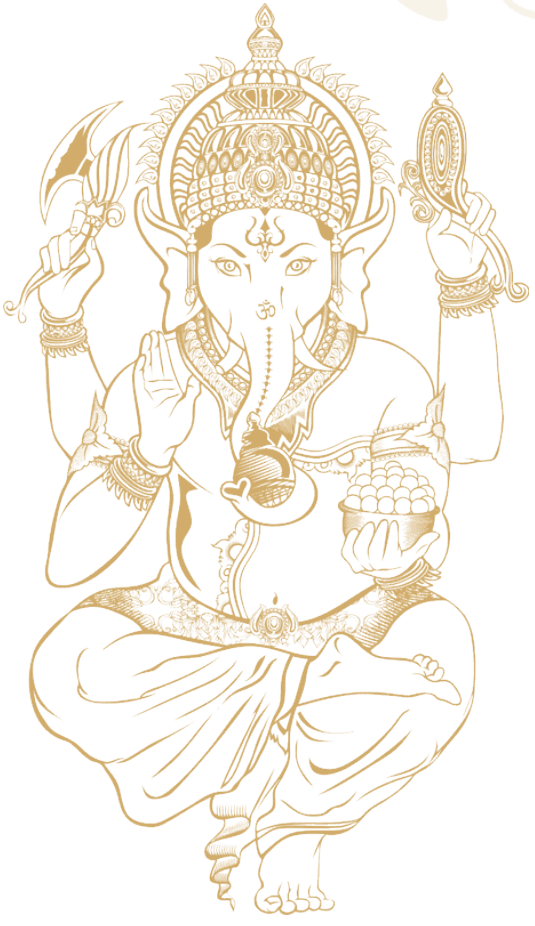

Kuldeep

16 Jun 1996

09:50 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121051506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/06/1996**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:50:00 घंटे**
इष्ट	11:07:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:41 घंटे
साम्पातिक काल	03:07:44 घंटे
सूर्योदय	05:23:08 घंटे
सूर्यास्त	19:20:36 घंटे
दिनमान	13:57:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:29:40 मिथुन
लग्न के अंश	28:37:17 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	गण्ड
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:37:17	309:50:19	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मिथु	01:29:40	00:57:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			मिथु	02:46:02	12:06:28	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृष	08:44:22	00:42:45	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध			वृष	08:56:58	01:16:32	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	21:12:33	00:06:47	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र	व		वृष	22:54:06	00:34:00	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
शनि			मीन	12:42:11	00:03:11	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	20:41:03	00:12:26	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	20:41:03	00:12:26	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:12:14	00:01:41	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:22:46	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:16:49	00:01:28	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मेष	25:34:43	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:31

लग्न-चलित

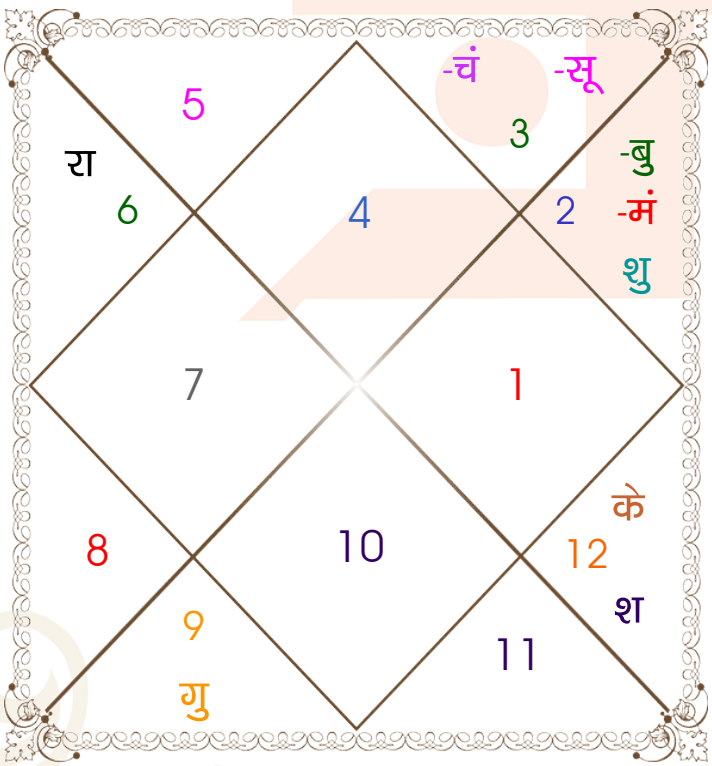

चन्द्र कुंडली

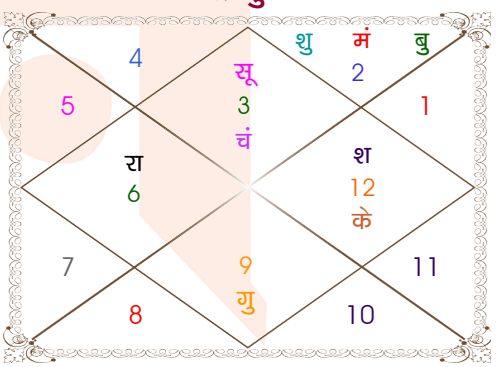

नवमांश कुंडली

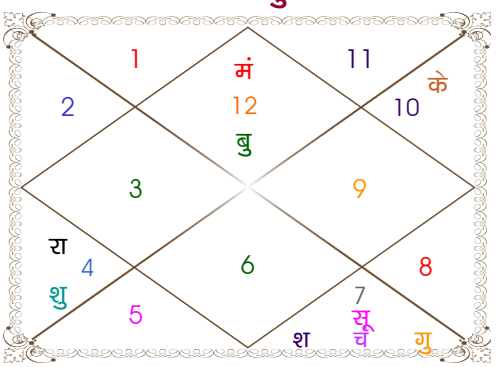

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 0 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/06/1996		04/07/1998		03/07/2016		03/07/2032		04/07/2051	
04/07/1998		03/07/2016		03/07/2032		04/07/2051		03/07/2068	
	00/00/0000	राहु	16/03/2001	गुरु	21/08/2018	शनि	07/07/2035	बुध	30/11/2053
	00/00/0000	गुरु	09/08/2003	शनि	04/03/2021	बुध	16/03/2038	केतु	27/11/2054
	00/00/0000	शनि	15/06/2006	बुध	10/06/2023	केतु	25/04/2039	शुक्र	27/09/2057
	00/00/0000	बुध	02/01/2009	केतु	15/05/2024	शुक्र	25/06/2042	सूर्य	03/08/2058
	00/00/0000	केतु	20/01/2010	शुक्र	14/01/2027	सूर्य	07/06/2043	चंद्र	03/01/2060
	16/06/1996	शुक्र	20/01/2013	सूर्य	03/11/2027	चंद्र	05/01/2045	मंगल	30/12/2060
शुक्र	28/07/1997	सूर्य	15/12/2013	चंद्र	04/03/2029	मंगल	14/02/2046	राहु	19/07/2063
सूर्य	03/12/1997	चंद्र	16/06/2015	मंगल	08/02/2030	राहु	21/12/2048	गुरु	24/10/2065
चंद्र	04/07/1998	मंगल	03/07/2016	राहु	03/07/2032	गुरु	04/07/2051	शनि	03/07/2068

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/07/2068		04/07/2075		04/07/2095		04/07/2101		05/07/2111	
04/07/2075		04/07/2095		04/07/2101		05/07/2111		00/00/0000	
केतु	29/11/2068	शुक्र	02/11/2078	सूर्य	21/10/2095	चंद्र	05/05/2102	मंगल	01/12/2111
शुक्र	29/01/2070	सूर्य	03/11/2079	चंद्र	21/04/2096	मंगल	04/12/2102	राहु	19/12/2112
सूर्य	06/06/2070	चंद्र	03/07/2081	मंगल	27/08/2096	राहु	04/06/2104	गुरु	24/11/2113
चंद्र	05/01/2071	मंगल	03/09/2082	राहु	22/07/2097	गुरु	04/10/2105	शनि	03/01/2115
मंगल	03/06/2071	राहु	02/09/2085	गुरु	10/05/2098	शनि	05/05/2107	बुध	31/12/2115
राहु	21/06/2072	गुरु	03/05/2088	शनि	22/04/2099	बुध	03/10/2108	केतु	29/05/2116
गुरु	28/05/2073	शनि	04/07/2091	बुध	26/02/2100	केतु	05/05/2109	शुक्र	17/06/2116
शनि	07/07/2074	बुध	04/05/2094	केतु	04/07/2100	शुक्र	03/01/2111		00/00/0000
बुध	04/07/2075	केतु	04/07/2095	शुक्र	04/07/2101	सूर्य	05/07/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 0 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।